Click here :->Bhajansimran.com

Bhagwati stotram

जय भगवति देवि नमो वरदे

जय पापविनाशिनि बहुफलदे ।

जय शुम्भनिशुम्भकपालधरे

प्रणमामि तु देवि नरार्तिहरे ॥१॥

जय चन्द्रदिवाकरनेत्रधरे

जय पावकभूषितवक्त्रवरे ।

जय भैरवदेहनिलीनपरे

जय अन्धकदैत्यविशोषकरे ॥२॥

जय महिषविमर्दिनि शुलकरे

जय लोकसमस्तकपापहरे ।

जय देवि पितामहविष्णुनते

जय भास्करशक्रशिरोऽवनते ॥३॥

जय षण्मुखसायुध ईशनुते

जय सागरगामिनि शम्भुनुते

जय दुःखदरिद्रविनाशकरे

जय पुत्रकलत्रविवृद्धिकरे ॥४॥

जय देवि समस्तशरीरधरे

जय नाकविदर्शिनि दुःखहरे ।

जय व्याधिविनाशिनि मोक्षकरे

जय वाञ्छितदायिनि सिद्धिवरे ॥५॥